

रिश्तेदारी में आई लड़की को पटा कर चोदा-1

“सर्दी की छुट्टियों में मेरे पड़ोस में एक लड़की अपनी बुआ के घर आई हुई थी. मैंने उसे देखा तो उसे पाने के लिए पागल हो गया. मुझे देख कर वो भी मुस्कुरा पड़ी थी. ...”

Story By: prince saini (Joyfulneo)

Posted: Tuesday, January 23rd, 2018

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [रिश्तेदारी में आई लड़की को पटा कर चोदा-1](#)

रिश्तेदारी में आई लड़की को पटा कर

चोदा-1

हाय दोस्तो, कैसे हो आप सब.. दिल थाम कर बैठ जाइए क्योंकि अब मैं जो सेक्सी कहानी सुनाने जा रहा हूँ उसे पढ़कर आप लंड और चूत से पानी निकालने के लिए मजबूर हो जायेंगे. कहानी पढ़ने से पहले एक बात ध्यान करें कि मैं हर बात समय पर ही बताऊँगा.

पहले मैं अपने बारे में बता देता हूँ. मेरा नाम प्रिंस है. मेरी उम्र 20 साल है और मैं हरियाणा के एक गाँव से हूँ. पिछले साल ही मैंने 12 वीं पास की है. आगे की पढ़ाई के लिए मैं न्यूजीलैंड जाने वाला हूँ. मेरी हाईट 5 फुट 9 इंच, रंग गोरा. नेचुरल स्वभाव का हूँ.

अन्तर्वासना पर यह मेरी सबसे पहली सेक्सी कहानी होगी. मैं अन्तर्वासना का 6 साल से पाठक रहा हूँ. मैंने हर तरह की कहानियाँ पढ़ी हैं. मुझे खासकर लड़कियों की गांड चुदाई की कहानियाँ अच्छी लगती हैं. इसलिए मैं भी अपनी चुदाई की कहानी को पेश कर रहा हूँ. कुछ गलती हो जाए तो माफ़ कर देना. पहली बार जो लिख रहा हूँ.

यह स्टोरी पिछले ही साल जनवरी की मेरी और नेहा की है. सच है या झूठ, आपको खुद ही पता लग जाएगा.

जनवरी से पहले दिसंबर में मैंने 12 वीं की परीक्षा ओपन बोर्ड से की थी तो एग्जाम देकर मैं फ्री हो गया था. अब मैं घर पर ही रहने लगा था. जनवरी की शुरुआत में हरियाणा की स्कूलों की ठण्ड की 10 दिन की छुट्टियाँ पड़ जाती है.

अब आपको तो पता ही है. जब बच्चे फ्री होते हैं तो रिश्तेदारी में आते जाते हैं. नेहा भी

अपनी बुआ के घर हमारे गाँव में आई थी. हमारा घर और हमारे पड़ोसी यानि नेहा की बुआ का घर कुछ इस तरह है कि हमारे बरामदे से उनके घर की छत पर साफ़ दिखता है और उन्हें भी बरामदा साफ़ दिखता है.

ठण्ड की छुट्टियां शुरू हो चुकी थीं. मेरा भाई और बहन जो दोनों मुझ से छोटे हैं, दोनों मेरी मम्मी के साथ मामा जी के घर चले गए. घर पर मैं और मेरे डैड ही थे. वो अपनी खेती बाड़ी का काम करते हैं.. तो ज्यादातर खेत में ही रहते हैं जो कि गाँव से दूर है.

जब मेरी मम्मी 10 दिनों के लिए चली गई थीं तो पड़ोस वाली आंटी से खाना बना कर देने के लिए कह गई थीं ताकि मुझे कोई परेशानी न हो.

अब आप लोग परेशान हो रहे होंगे कि मैं ये सब फ़ालतू की बात बता रहा हूँ. फ़िक्र मत कीजिये अगर ये सब नहीं बताऊंगा तो कहानी बनेगी कैसे ?
आइये आगे बढ़ते हैं.

छुट्टियां शुरू होने के एक दिन बाद मैं मोबाइल को लेकर बाहर बैठा था. मैं धूप सेंकने के साथ फेसबुक पर अपने फ्रेंड्स से बात कर रहा था. तभी मेरी नज़र सामने वाले घर की छत पर पड़ी तो मैंने देखा कि एक लड़की (नेहा) जो देखने में मुझे नई लगी, पड़ोस की लड़की नेहा के साथ बैठी है और बातें कर रही हैं. दो बार नेहा नाम से भ्रमित न हों.

एक बात बता दूँ कि उस घर में आंटी और अंकल व उनके 4 बच्चे हैं, सबसे बड़ा लड़का जोकि मुझसे 2 साल बड़ा है राहुल, उससे छोटी लड़की नेहा, फिर लड़का और एक लड़की, जो अभी बच्चे हैं.

जब वो दोनों आपस में बातें कर रही थीं तो नई वाली लड़की कभी कभी इधर मेरी तरफ भी देख लेती थी. उसके चेहरे पर मुझे स्माइल दिख जाती थी. उस का चेहरा दूर से बहुत

खूबसूरत लग रहा था. पर मैं अच्छी तरह देख नहीं पाया.

खैर वो दोनों उठ कर नीचे चली गई और मैं भी अपने घर के अन्दर चला आया. तभी खाने का टाइम हुआ. मैंने सोचा कि पता नहीं आंटी खाना लाएंगी भी या नहीं. अभी मैं यही सोच रहा था कि एक दम से दरवाज़े पर नॉक हुई. मैंने उठ कर देखा कि नेहा खाना लेकर आई है और साथ में उस नई लड़की को भी लेकर आई है.

मैं तो उसे देखता ही रह गया. क्या बला की खूबसूरत थी वो. उस का चेहरा तो सूरज जैसा दमक रहा था. उस की काली काली आँखें जैसे कुछ बोल रही हों. मुलायम से गाल जो टंडी हवा लगने के कारण लाल हुए जा रहे थे. गर्दन जैसे सुराही की तरह हो.

अब मेरी नज़रें उसके नीचे का नाप लेने लगीं. उस की चूचियाँ जैसे छोटे संतरे लगा रखे हों. कमर शायद 30 की होगी.. एकदम नागिन जैसी, कूल्हे की तो पूछो ही मत.. बिल्कुल गदराये हुए, ज्यादा बड़े नहीं थे. उनको देखकर मेरा दिल उसे बांहों में लेने को करने लगा. तभी नेहा ने आवाज़ लगाई- प्रिंस कहाँ देख रहे हो, मम्मी ने तुम्हारे और अंकल के लिए खाना भेजा है.

मैं जैसे जागा और कहा- ठीक है, अन्दर रसोई में रख दो.

वो खाना अन्दर रखकर आई. मैं अब भी उस नए कांटे को देख रहा था तो उसे शर्म सी आ गई, उसने अपना चेहरा पीछे कर लिया और मुस्कुरा दी.

मैं समझ गया कि छोरे.. हंसी तो फंसी.

मैंने कहा- नेहा, ये कौन है.. तुमने बताया ही नहीं ?

तो उसने कहा- ये मेरे मामा की लड़की है. यहाँ छुट्टियों में रहने के लिए आई है.

उसने बस इतना कहा और फिर वे दोनों चली गई. उस नए माल ने जाते हुए एक बार फिर पीछे मुड़कर मुझे देखा तो उसकी ये अदा आग में घी जैसा काम कर गई. मैंने सोचा अगर

इससे शादी के लिए कोई कह दे तो मैं अभी इसके साथ सात फेरे ले लूँ.

फिर मैंने खाना खाया और अपने डैडी के लिए भी लेकर खेत में भी चला गया. अगले दिन भी उसी तरह देखते देखते कट गया. मैंने रात को सोचा अगर मैं ऐसे ही चुप रहा तो छुट्टियां भी खत्म हो जाएंगी और वो मेरे हाथ भी नहीं आएगी. मैं सोचने लगा कि करूँ भी तो क्या ?

अगले दिन वो नई लड़की खाना लेकर अकेली आई. तो मैंने उससे हाय कहा तो उसने भी हाय कहा.

मैंने पूछा- नेहा कहाँ है ?

तो उसने कहा- आपके सामने ही तो है.

मैंने कहा- किधर है.. दिखाई तो कहीं दे नहीं रही ?

उसने कहा- मैं नेहा ही तो हूँ.

मैंने पूछा- आपका भी नाम नेहा है क्या ?

उसने आराम से बोला- हाँ.

“वो क्यों नहीं आई ?”

फिर उसने बताया कि उसकी तबियत थोड़ी खराब सी है.

मैंने कहा- चलो कोई बात नहीं.

मैंने उस से खाना लिया और अन्दर रख आया. वो जैसे ही जाने को हुई तो मैंने कहा- रुको ना.

तो उसने पीछे मुड़कर आँखों से ही पूछ लिया- क्या है ?

मैं बोला कि आप उनकी मेहमान हैं तो हमारी भी हुई ना. आप थोड़ी देर बैठ जाओ न प्लीज.

उसे 'ना ना..' करते हुए भी बैठना पड़ा.

मैं उससे बोला कि बोलिए क्या लोगी ?

तो उसने कहा- कुछ नहीं !

मैंने कहा- ये भी क्या बात हुई. कॉफी चलेगी ?

तो उसने कहा- ठीक है.

मैं फटाफट रसोई में गया और कॉफी के साथ कुछ खाने का भी लेकर के आ गया. मैं कॉफी पीते पीते लगातार उसे देख रहा था. वो बार बार शरमा जाती.

मेरा लंड उसे मांग रहा था.. मेरे मन में उसे चोदने के ख्याल आ रहे थे. साला जो भी होगा देखा जाएगा. इसका तो आज चोदन ही करूंगा. फिर मैंने सोचा कि इस फूल सी कली को क्यों खराब करूँ. आराम से ही लंड पर बिठाऊंगा.

हमने कॉफी खत्म की, तो मैंने उससे पूछा कि आप क्या करती हो ?

तो उसने जवाब दिया- अभी 11 वीं में हूँ, अब एग्जाम के बाद 12 वीं में हो जाऊंगी. आपने क्या किया है ?

तो मैंने उसे बताया- मैंने अभी 12 वीं कम्प्लीट की है और अभी फरदर स्टडी में फॉरेन से करूंगा. इसलिए मैं नेक्स्ट मंथ ही IELTS शुरू करूंगा.

शायद वो मेरी इस बात से ही इम्प्रेस हो गई.

तभी मैं उठा और कपों को अन्दर रखकर आया. अब मैं सीधा जाकर उसकी साइड में बैठ गया. मैंने कहा- अगर बुरा ना मानो तो कुछ पूछूँ ?

तो उसने कहा- हां जी बोलो.

मैंने कहा- आपका कोई बॉयफ्रेंड है ?

उसने कहा- आप क्यों पूछ रहे हो ?

मैंने बोला कि बस ऐसे ही.

उसने कहा- ऐसे का क्या मतलब है.. आप ट्राई कर रहे हो ?

मैंने कहा- इसका क्या मतलब ?

उसने होंठ दबा कर हल्की सी स्माइल देते हुए कहा- कुछ नहीं.

मैंने दुबारा पूछा तो उसने कहा- हाँ जी बॉयफ्रेंड है, बोलो क्या करना है ?

उसका जवाब सुनकर मुझे ऐसा लगा कि जैसे मुझसे अब कुछ छीन लिया गया हो. मैं मायूस सा दीवार की तरफ देखने लगा.

शायद उसने मेरे चेहरे को देखकर समझ लिया था कि मैं उस पर लट्टू हो गया हूँ.

थोड़ी देर बाद वो थोड़ा सा हंस पड़ी और कहा- मेरा कोई बॉयफ्रेंड नहीं है मैंने तो आपको पागल बनाया था. लेकिन आपका मुँह ऐसे क्यों हो गया ?

उसकी इस साफगोई से मुझे कुछ राहत मिली और मैंने कहा- क्या.. मुझे तो कुछ भी नहीं हुआ ?

अब मैं खिसक कर थोड़ा नज़दीक आया और उसकी आँखों में देखने लगा.

उसने कहा- आप ऐसे क्यों देख रहे हो ?

मैंने कहा- बस, ऐसे ही.. चलो देखते हैं कौन कितनी देर बिना पलकें झपकाये देखता रहेगा, जो जीता वही सिकंदर.

उसने कहा- ठीक है.

मुझे पता था कि उसका एक हाथ सोफे पर रखा हुआ है. तो मैंने उसकी आँखों में देखते हुए उसके हाथ के ऊपर हाथ रख दिया और उसके हाथ को अपने हाथ में कैद कर लिया.

उसका हाथ गरम था और मेरा ठंडा. उसकी सिसकी सी निकल गई, अब मैंने अपना जादू चलाना शुरू किया और उसके हाथ को हल्के से मसलना शुरू किया. वो इस तरह के हमले

से घबरा गई और अपनी आँखें बंद कर लीं.

तभी वो एकदम से खड़ी हो गई और कहा- मैं जा रही हूँ.

वो बिना मेरी तरफ देखे एकदम से चली गई. मैं कर भी क्या सकता था.. पर एक बात तो पक्की थी कि छोरी मेरे से ही सैट होगी.

अब यहाँ रहने के उसके 6 दिन ही बचे थे. अब मैं प्लान बनाने लगा था कि शादी हो न हो, उसके साथ अब सुहागरात जरूर मनाऊंगा.

अगले दिन वो फिर अकेली आई तो मैंने उसे बैठने को कहा. वो बैठ गई. अब मैं सीधा जाकर उसके पास बैठ गया.

मैंने उससे कहा कि मुझे आपसे कुछ कहना है.

उसने कुछ जवाब नहीं दिया. वो सामने देख रही थी और मैं उसके चेहरे की तरफ. मैंने अपने दाएं हाथ से उसके चेहरे को अपनी तरफ किया और बोला- नेहा.. तुम कितनी खूबसूरत हो, पहली ही नज़र में मैं तुम्हारा दीवाना हो गया. मैं तुमसे अब प्यार करने लगा हूँ. मैं तुम्हारे बिना अब रह नहीं सकता.

थोड़ा रुक कर मैंने अपने होंठों को उसके होंठों के पास लाकर थोड़ी दूरी बनाए रखते हुए उसकी आँखों में देखते हुए कहा- आई लव यू..

अब हमारी साँसों आपस में घुलने लगी थीं. मैंने उसके कंधे पर हाथ रखा. मैं उसकी दिल की धड़कनें महसूस कर सकता था. उसकी धड़कनें तेज होती जा रही थीं. मेरा भी यही हाल था. साँसों की गर्मी के कारण हम मदहोश होते जा रहे थे.

एकाएक मेरा होंठ उस गुलाबी जैसे होंठों पर चले गए. मुझे किस करना नहीं आता था.. पर फिर भी मैंने उसके होंठों को अपने काबू में कर लिया था.

उसके रसीले होंठों को चूसने में इतना मज़ा आ रहा था कि बयान नहीं कर सकता. वो मेरा साथ नहीं दे रही थी, फिर भी मैं लगा रहा.

कुछ पल बाद सीन बदल गया. अब उसकी आँखें बंद हो गईं और उसकी बाँहें मुझे अपने आगोश में लेने लगीं. साथ ही साथ मेरे हाथ उसकी नाजूक सी कमर पर घूम रहे थे. पहली बार मैं ऐसा कर रहा था.. जोकि मेरे लिए असीम आनन्द था. कोई जन्नत की परी जैसी लड़की मुझसे लिपटी हुई थी.

अब मैंने अपने दायें हाथ से उसकी बायीं चूची को हल्का सा दबा दिया. बिल्कुल मखमल जैसी थी. उसने किस करना छोड़ दिया और मेरे गले लग गई. मैं अब उसकी चूचियों को ऊपर से ही दबाने लगा था. उसने बसंती रंग का सलवार कमीज पहना था.. जोकि मुझे पागल कर रहा था. वो नागिन की तरह मेरी बांहों में बल खा रही थी. उसके निप्पल सख्त से हो गए थे.

वो लड़खड़ाती सी आवाज़ में बोली- ये मुझे क्या हो रहा है. पहले तो ऐसा कभी नहीं हुआ. मैंने उसके कान में आराम से कहा- हम प्यार कर रहे हैं मेरी जान.

तभी शायद उसकी एकदम से आँखें खुलीं, जो शायद लाल सी जैसी हो गई थीं और उसकी हालत दर्शा रही थीं. तभी वो मुझसे अलग हुई.

मैंने पूछा- क्या हुआ ?

उसने कहा- आप ये क्या कर रहे हो.. ये गलत है. अगर ये सब किसी को पता चल गया तो मेरी इज्जत नहीं रहेगी और मैं आपको जानती भी नहीं. वहाँ घर पर मुझे देख रहे होंगे.

मैंने सोचा ये सही कह रही है, इसकी इज्जत मेरी इज्जत है, मैंने एक मिनट बाद सोच कर कहा- मैं आपकी बात से सहमत हूँ.. पर एक बात बताओ क्या आप मुझे प्यार करती हो ? मैं आपके लिए कुछ भी करने को तैयार हूँ. आप कहोगी तो हम शादी भी कर लेंगे. क्या आप तैयार हो ?

उसने इस बारे में कुछ कहा तो नहीं, पर बोली- मुझे अभी कुछ नहीं पता.

जैसे ही वो जाने को तैयार हुई, तो मैंने उससे कहा- ओके ठीक है.. मैं तुम्हारा आज रात को

उस सामने वाली बैठक में इंतज़ार करूँगा. तुम्हारे लिए कुछ है.

उसने कहा- मैं नहीं आ सकती.

मैंने फिर कहा- अगर तुम्हारे दिल में मेरी जगह है, अगर तुम भी मुझसे प्यार करती हो, तो तुम्हें आना ही होगा.

वो बिना कुछ बोले वहाँ से चली गई.

अब मैं रात का इंतज़ार करने लगा. बाहर चारपाई पर बैठ गया. देखा वो दोनों नेहा छत पर चारपाई पर बैठी थीं. मैंने मन में सोचा कि उसने उसे कुछ बताया तो नहीं होगा.. और बताया भी होगा तो चलो जो कुछ भी होगा, देखा जाएगा.

अब मैं आपको बैठक के बारे में बताता हूँ. हमारे और हमारे पड़ोसी के घर के बीच एक हमारी बैठक है या चाहे बाड़ा कह लें. वहाँ घर और खेत का सामान रखते हैं.. उधर बिस्तर भी पड़ा है. कभी कभार मेरे पिताजी वहाँ सो जाते हैं. पर अब घर में कोई न होने के कारण घर में ही सोते हैं.

अब आगे बढ़ते हैं.

मैंने सोचा अगर वो रात को आ भी गई तो क्या वो मेरा साथ देगी. मैं प्लान बनाने लगा. तभी मुझसे तरकीब सूझी.

मैंने अपने दोस्त को फ़ोन किया और कहा कि एक वाइन की बोतल चाहिये.. मिल जाएगी ? उसने कहा- मिल जाएगी बाँस.

फिर मैं उसके पास से बोतल लेकर आ गया और एक शॉप से अच्छा सा छोटा टेडीबियर का गिफ्ट पैक करवाया. इसके बाद मैं घर आ गया.. साथ में कुछ खाने का सामान भी ले आया.

मैंने बाथरूम में जाकर रात को जो होगा उसे सोचकर सीधा मुठ मारी.. कुछ राहत मिली.

फिर रात हुई. करीब 9 बजे मेरे डैड खाना खाकर सो गए.

मैंने सब सामान लिया और सीधा बैठक में चुपचाप चला आया. अब मैं बेसब्री से उसका इंतज़ार कर रहा था. मैंने अपना मोबाइल निकाला और उसमें ब्लू फिल्म देखने लगा. अब 11 बज गए, पर वो आई ही नहीं.

फिर 11 से साढ़े ग्यारह हो गए पर मुझे लगा, वो नहीं आएगी.

मैं उठ कर चलने ही लगा था तो मुझे दरवाज़े पर नॉक की आवाज़ सुनाई दी. मैंने सोचा कहीं मेरे डैड न आ गए हों. मैंने आराम से दरवाज़ा खोला तो देखा सामने देख कर मेरी आँखें खुली ही रह गईं.

सामने नेहा ब्लैक कलर के सूट में खड़ी थी. चाँद सा चेहरा चमक रहा था. उसकी स्माइल मुझे घायल कर रही थी.

तभी उसने आराम से बोला- लो जी आ गई मैं.. क्या था मेरे लिए. पता है कितनी मुश्किल से आई हूँ कि कहीं आप नाराज़ न हो जाएँ. आपको नींद नहीं आती जो अब तक जाग रहे हो ?

मैंने कहा- हो न हो ये प्यार तेरे दा असर ऐ, हुन जो मेंनु नींद रात नु आवे न.

वो शरमा गई.. जो मुझे वाकयी बहुत पसंद आया.

अब मैंने उससे बैठने को कहा.

वो बैठ गई. मैंने कहा- अब आँखें बंद करो.

उसने कहा- क्यों ?

मैंने कहा- करो भी !

उसने कर ली. फिर मैंने वो गिफ्ट उसके हाथ में रखा. उसने आँखें खोलीं और खुश हो गई.

मैंने कहा- खोलो इसे.

उसने खोला और उसे देखकर बोली- ये तो बहुत अच्छा है. मुझे पसंद आया. पर किस खुशी में ?

“आप जो मिले.. और कमिंग वैलेंटाइन डे के लिए.”

उसने कहा- वो तो अगले महीने है.

मैंने कहा- हाँ वो तो है. पर आप यहाँ तो होगी ही नहीं ना इसलिए अभी ही इजहार किया है.

फिर मैं उसके पास बैठ गया और कहा- आई लव यू.. इ यू लव मी ?

उसने बोला- पता नहीं जी.

सच पूछो तो मुझसे गुस्सा आ रहा था. एक तो इतना सब कुछ करो और ऊपर से नखरे भी सहो.

फिर सोचा कि चलो कोई बात नहीं.. थोड़ी देर में खुद ही चिल्ला चिल्ला कर ‘लव यू लव यू’ बोलेंगी.

मैं उसके और पास को सरक कर बैठ गया. मैंने पहले ही सोच लिया था कि ये दुबारा भी सिर्फ किस ही करने देगी. मैंने साइड में जाकर वाइन गिलास में डाली. ताकि मैं भी टिका रहूँ.. क्योंकि पहली बार जो ऐसा करने जा रहा था.

फिर मैंने उसे वाइन दी, उसने पूछा- ये क्या है ?

मैंने कहा- पीकर देखो.

उसने थोड़ा सा पिया और कहा- कड़वी है.

मैंने कहा- कोई बात नहीं.. बाद में अच्छी लगने लगेगी.

वाइन पीते पीते मैंने मोबाइल में ब्लू फिल्म प्ले करने के बाद पाँज कर दिया और स्लाइड लॉक लगा दिया और उसकी साइड में रख दिया.. ताकि वो उस फ़ोन का लॉक खोले तो डायरेक्ट फिल्म चल जाएगी.

मैंने गिलास फटाफट खत्म किया.. और कहा- मैं अभी आता हूँ.

मैं बाहर चला आया.. मुझ पर भी वाइन का असर शुरू होने लगा था.

मुझे ये देखना था कि नेहा ब्लू-फिल्म देखती है या नहीं.. ये इस सेक्स स्टोरी के अगले भाग में जानते हैं.

कहानी जारी रहेगी.

joyfulneosaini@gmail.com

कहानी का दूसरा भाग : [रिश्तेदारी में आई लड़की को पटा कर चोदा-2](#)

